RNI No. : UPHIN/2017/74695

डाक पंजीकरण सं. :
एस.एस.पी./एल.डब्लू./एन.पी. - 558/2018-2020

स्टूडियो न्यूज

वर्ष : 2 अंक : 8 | लखनऊ, बुधवार, 6 फरवरी 2019 से 5 मार्च 2019 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 10 रूपये

सम्पादक की कलम से ...

मेरे फोटोग्राफर साथियों,

साथियों फोटोग्राफी उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है और पिछले बीस वर्षों में इस उद्योग ने काफी उतार-चढ़ाव देखे हैं। माइक्रो फोर थर्ड कैमरे से 35एमएम फिल्म कैमरे, फिल्म कैमरे से पॉइंट एंड शूट, उसके बाद 35एमएम डीएसएलआर कैमरे और अब मिररलेस कैमरे, कस्टमर के हिसाब से फोटोग्राफी इंडस्ट्री ने करवट ली है।

मिररलेस कैमरे ने फोटोग्राफी उद्योग को नया रूप दिया है। 2019 ने फोटोग्राफी उद्योग को एक नई शुरूआत दी है, फोटोग्राफी में आने वाले समय में बहुत कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं। 2019 में आये बदलाव फोटोग्राफी उद्योग की दिशा तय करेंगे।

सोनी और फूजी फिल्म ने पहेले से ही मिररलेस कैमरों पर काम करना शुरू कर दिया था, अब इनके कैमरे बढ़िया परफॉरमेंस दे रहे हैं, परन्तु मिररलेस में अब निकॉन और कैनन के आने से मिररलेस में प्रतिस्पर्धा बढ़ गयी है, अब तो ओलम्पस, रिको, गोप्रो आदि कम्पनीज भी आ गयी हैं। मिररलेस कैमरे आकर में छोटे होते है तथा मिरर मैकेनिज्म की कमी के कारण ले जाने में आसन होते है। डिजिटल व्यूफाइंडर की वजह से आपको सटीक आउटपुट देखने में मदद मिलती है।

इन कैमरों को आमतौर पर पहले के वर्षों में पेशेवरों द्वारा इस्तेमाल के लिए टाला जाता रहा क्योंकि लेंस की पोर्टफोलियो की कमी इसमें सबसे बड़ा कारण था इस वजह से पेशेवरों ने डीएसएलआर को ज्यादा महत्ता दी लेकिन कैनन और निकॉन जैसे बड़े खिलाड़ियों के साथ इस साल मिररलेस गेम में प्रवेश करने के बाद सभी कैमरा निर्माताओं ने कदम बढ़ाया और अपने मिररलेस लाइन अप के लिए एक विशाल लेंस पोर्टफोलियो जारी किया लेंस को बढ़ावा मिलते ही धीरे-धीरे डीएसएलआर की बिक्री में कमी आना शुरू हो गई है, जबकि कंपनियों ने डीएसएलआर कैमरों के लिए लेंस पोर्टफोलियो का मजबूत स्ट्रक्चर बनाया था इसी कारण से डीएसएलआर ने अपनी जड़ें मजबूती से फोटोग्राफी उद्योग में जमा ली थी परंतु मिररलेस कैमरा में बड़े खिलाड़ियों के आने से लेंस पोर्टफोलियो में बढ़ोतरी हुई है।

आज के तकनीकी युग में आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस का बहुत महत्व है। तकनीक विकसित होने के साथ कैमरा निर्माता वाई-फाई कनेक्टिविटी, ब्लूटूथ, वॉइस कमांड जैसे फीचर कैमरे में शामिल करते जा रहे हैं। आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस भी पहले से ही कई कैमरों में मौजूद है जो चेहरे का पता लगा सकते हैं, फोटो क्लिक कर सकते हैं जब वह मुस्कुराता हुआ चेहरा देखते हैं, आपके फोन से कनेक्ट हो सकते हैं इत्यादि, आने वाले वर्षो के फोटोग्राफी रूझानों में अधिक आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस विशेषताओं को कैमरे में कैद किया जाएगा। जिस तरह कैमरों की कीमतों में इजाफा हो रहा है जिसको देखते हुए ऐसा लगता है कि आने वाले समय में फोटोजर्नलिस्ट, स्टूडियो फोटोग्राफर्स, वेडिंग फोटोग्राफर एक ही कैमरे को अलग-अलग तरीके से इस्तेमाल कर सकेगें, हर फोटोग्राफर की कैमरे को इस्तेमाल करने की अपनी सेटिंग होती है जैसे एक्सपोज़र सेटिंग, फोकस का तरीका, वाइट बैलेंस, कलर इत्यादि। फिंगर प्रिंट सेंसर युक्त कैमरे भविष्य में देखने को मिल सकते है, इससे ये फायदा होगा की जो यूजर कैमरे में अपना फिंगर प्रिंट लगाएगा उसकी सेटिंग कैमरे में आ जाएगी जो उसने सेट कर रखी होगी। ऐसी ही और तकनीक देखने को आने वाले समय में मिल सकती है। लेंसों में भी आने वाले सालो में नयी तकनीक देखने को मिल सकती है।

फोटोग्राफर साथियों के लिए खुशी की बात है कि फोटोग्राफी में GST 28% से 18% हो गया है, कैमरे पहले के मुकाबले सस्ते हुए हैं। वेडिंग सीजन चल रहा है, फोटोग्राफर साथियों को आने वाले समय के लिए शुभकामनायें।

सुरेंदर सिंह बिष्ट
सम्पादक

कंज्यूमर इलेक्ट्रानिक इमेजिंग फेयर 2019

10-11-12 जनवरी 2019, ग्रेटर नोएडा (एनसीआर)

कानपुर में फ्री कैमरा सर्विस कैम्प का आयोजन

दिनांक 6 जनवरी 2019 को कानपुर फोटोग्राफिक एसोसिएशन ने फोटोग्राफर्स एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश एवं कैमरा केअर लखनऊ के सहयोग से फ्री कैमरा सर्विस कैम्प का आयोजन रौनक इमेज एडिटिंग पॉइंट पी रोड कानपुर पे किया। फ्री कैमरा सर्विस की सुविधा सिर्फ एसोसिएशन मेंबर्स के लिए ही थी जिसे एसोसिएशन के मेंबर्स ने बहुत सराहा और सुबह से ही कैम्प स्थल पे बड़ी मात्रा में फोटोग्राफर्स जुटने लगे थे कैम्प में शाम तक भीड़ बनी रही। कैम्प में फोटोग्राफर्स एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष श्री दिनेश वर्मा जी की गरिमामय उपस्थिति पूरे समय रही फोटोग्राफर्स ने उनसे व्यवसाय में आ रही कठनाइयों के विषय मे विचार विमर्श भी किया। इस कार्यक्रम में कानपुर एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री विष्णु नारायण दीक्षित और सचिव श्री गोपाल दीक्षित पूरे समय सभी भाइयों की समस्याओं के समाधान के लिए उपस्थित रहे। एसोसिएशन के उपाध्यक्ष श्री संदीप निगम ने कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाया और इस कार्यक्रम के संयोजक श्री सौरभ मिश्र ने कार्यक्रम के अंत मे सबका धन्यवाद ज्ञापित किया और भविष्य में ऐसे और कार्यक्रम करवाते रहने का एसोसिएशन की तरफ से आश्वासन दिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से महेंद्र त्रिपाठी, गुड्डू यादव, गणेश अग्निहोत्री, अख्तर अली, संदीप द्विवेदी, लालजी तिवारी की उपस्थिति रही।

स्टूडियो न्यूज

वर्ष : 2 अंक : 8 | लखनऊ, बुधवार, 6 फरवरी 2019 से 5 मार्च 2019 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 10 रूपये

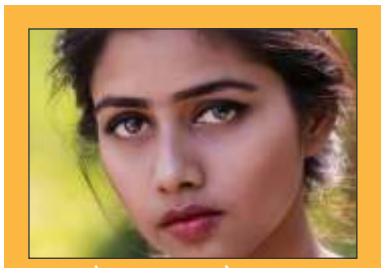

कैच लाइट - पेज 4-5

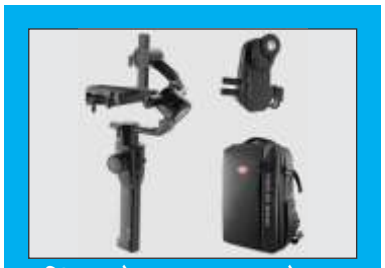

गिंबल मोजा एयर 2 - पेज 6

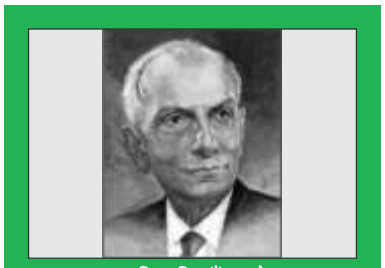

महान विभूतियाँ - पेज 7

सीनकटर - पेज 10

मोबोग्राफर - पेज 13

ओलम्पस OM-D *E-M1X* : नये युग की शुरूआत

हर समय बढ़िया प्रदर्शन

पेश है ओएम-डी ई-एम1एक्स कैमरा। प्रोफेशनल फोटोग्राफर्स की सुविधाओं व उनके प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है ओएम-डी ई-एम1एक्स कैमरा।

इसमें है दो ट्रू पिक VIII इमेज प्रोसेसर। इस मॉडल में है बहुत ही बेहतरीन एएफ नए सब्जेक्ट को पहचानने वाली ऑटो फोकस तकनीक, हाई-फ्रेम रेट प्रदर्शन व 50 एमपी के बराबर हाई रिज्यॉल्यूशन के साथ गजब की इमेज क्वालिटी।

शूटिंग मोड में चाहे कैमरा खड़ा हो या लेटा, फोटोग्राफर की ग्रिप में कोई कमी न आए। यह धूल, पानी व फ्रीज रहित कंपैक्ट बॉडी का है। ई-एम1एक्स के आपस में कैमरा लेंस बदलने का फीचर इसे प्रोफेशनल बनाता है और साथ ही प्रोफेशनल फोटोग्राफर्स को मिलता है ऑपरेशनल कंट्रोल व विश्वसनीयता जो वह किसी भी अच्छे व प्रोफेशनल कैमरे में खोजते हैं।

विश्वसनीयता

कैमरे को हॉरिजॉन्टल व वर्टिकल पकड़ने पर ग्रिप सटीक बनी रहे और ऐसा संतुलन हो कि शूटिंग के दौरान फोटोग्राफर का फोकस न बिगड़े। ई-एम1एक्स व्यस्त व प्रोफेशनल फोटोग्राफर्स के प्रदर्शन व कार्यशैली को ध्यान में रखकर ही डिजाइन किया गया है।

पहले से बहुत बेहतर एएफ सिस्टम

फोटोग्राफर्स के लिए पहले से अधिक ऑटो-फोकस क्षमता के साथ ओएम-डी ई-एम1 मार्क II के सुपीरियर एएफ सिस्टम को और ज्यादा एडवांस किया गया है। कस्टमाइजेशन व मल्टी डायरेक्शन एएफ प्वाइंट सेलेक्टर से कैमरा का रिस्पांस सब्जेक्ट के आकार, चाल और गति के प्रति बहुत अच्छा बना रहता है। यदि पूरे एएफ प्रदर्शन के सुधार की बात की जाए तो ई-एम1एक्स में एक अन्य फीचर है,

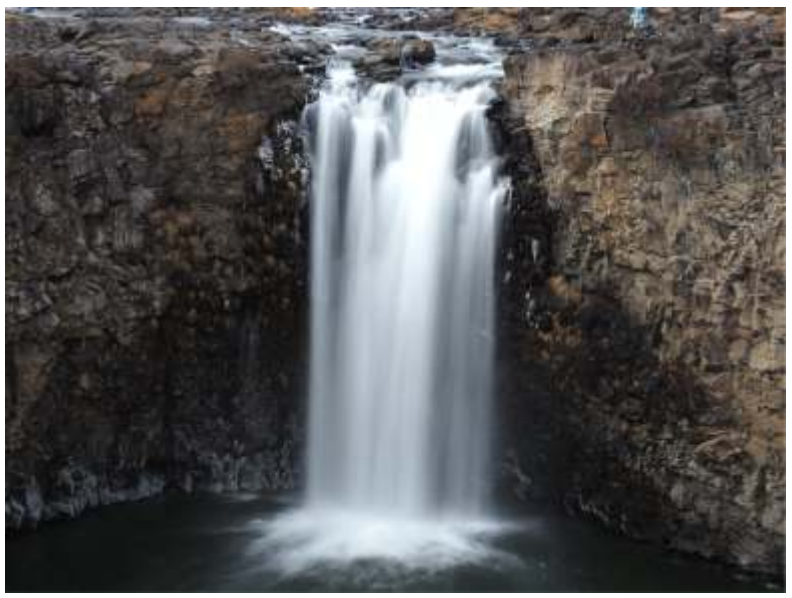

इंटेलिजेंट सब्जेक्ट डिटेक्शन एएफ।

स्पलिट सेकेंड मूवमेंट को कैप्चर करने के लिए तेज-गति का प्रदर्शन

अन्य एसएलआर को साइड करती इसकी अति तेज गति वाली सीक्वेंस शूटिंग के साथ अब कभी वो सेंकेंड भर वाला लम्हा मिस नहीं होगा। डुअल यूएचएस-प्प कार्ड स्लॉट दोनों स्लॉट में देते हैं तेज स्पीड ताकि सीक्वेंस शूटिंग के दौरान प्रदर्शन अच्छा बना रहे और किसी भी तरह का कोई गतिरोध न आए।

सबसे ज्यादा डिमांडिंग प्रोफेशनल कैमरापर्सन के लिए बहुत उम्दा इमेज क्वालिटी

बहुत व्यस्त व डिमांडिंग प्रोफेशनल फोटोग्राफर्स की सुविधाओं के अनुसार हाई पावर इमेज प्रदर्शन के लिए है ई-एम1एक्स जो कि बना है दो ट्रूपिक VIII इमेज प्रोसेसर से। इमेज स्टैबलाइजेशन को भी विकसित किया गया है ताकि 7.5 शटर स्पीड तक पहुंच सके।

आपके काम करने की शैली को सपोर्ट करने के लिए सिस्टम एक्सपैंशन

प्रोफेशनल कैमरा उपयोग करने वालों की अलग-अलग कार्यशैली के लिए कई सॉफ्टवेयर के विकल्प उपलब्ध हैं।

ओएम-डी मूवीः सिनेमा क्वालिटी के हैंडहेल्ड वीडियोज

ओएम-डी मूवी क्षमता देती है हैंडहैल्ड सिनेमा क्वालिटी 4के वीडियो रिकॉर्डिंग के लिए मजबूत इमेज स्टैबलाइजेशन। ई-एम1एक्स में भी है ओएम लॉग मोड, जो कि वीडियोग्राफर के लिए शूटिंग व पोस्ट प्रोडक्शन कलर ग्रेडिंग के लिए फ्लैट रंगीन प्रोफाइल।

मशहूर फोटोग्राफर अनूप शाह को पद्मश्री अवार्ड

मशहूर फोटोग्राफर अनूप शाह को फोटोग्राफी और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिये पदमश्री अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए चुने गए फोटोग्राफर अनूप शाह का पूरा जीवन पर्वतारोहण, पर्यावरण संरक्षण और फोटोग्राफी के लिए समर्पित रहा है। उनके द्वारा खींचे गए 350 से ज्यादा फोटोग्राफ्स को पुरस्कार मिल चुका है, जबकि 3500 से ज्यादा फोटोग्राफ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों का हिस्सा बन चुके हैं। अनूप शाह कई ट्रैकिंग अभियानों में शामिल रह चुके हैं, उन्होंने 6 दुर्गम चोटियों पर सफल आरोहण किया है। अनूप शाह का जन्म 8 अगस्त 1949 में नैनीताल में हुआ था। फोटोग्राफी की शुरूआत उन्होंने अपने पिता की तरफ से उपहार में मिले कैमरे से की, धीरे-धीरे उनका ये शौक जूनून बन गया।

पद्मश्री अनूप - आपको हमारी ओर से बहुत बहुत बधाई एवं हार्दिक शुभकामनायें। आपको पद्मश्री सम्मान मिलना समस्त फोटोग्राफर्स के लिए गौरव की बात है साथ ही नयी पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

बोलती हुई तस्वीर ... जीवंत फोटो के लिए कैच लाइट

मुकेश श्रीवास्तव
FIE, FFIP, EFIAP
इंजीनियर, फोटोग्राफर, लेखक
पूर्व निदेशक (ई), भारत सरकार
निदेशक, सेण्टर फॉर विजुअल आर्ट्स
निकॉन मेण्टर (2015-2017)
अध्यक्ष, धनबाद कैमरा क्लब

कैच लाइटः

आपके सब्जेक्ट की आंखों में रोशनी की चमक है। यह सब्जेक्ट की आंखों की ओर देखने वालों का ध्यान आकर्षित करती है। कैच लाइट के साथ कैप्चर की हुई पोट्रेट जीवंत लगती है (बोलती हुई तस्वीर)

सब्जेक्ट की आंखों में कैचलाइट मिलना आपके लाइट को खोजने पर निर्भर करता है। यदि एक बार आप रोशनी के तमाम प्रतिबिंब से सब्जेक्ट की आंखों में इस्तेमाल करना जान जाएं तो आप किसी भी प्रकार की लाइटिंग स्थितियों से कैचलाइट निकाल सकते हैं।

अलग-अलग लाइटिंग कंडीशन में कैच लाइट कैसे प्राप्त करें-

1- प्राकृतिक रोशनी में आउटडोर

अपने सब्जेक्ट से कहिए कि चेहरा लाइट सोर्स यानि की सूरज की तरफ करें। सूर्य की ओर सीधा देखना तो मुमकिन नहीं है तो सब्जेक्ट आसमान की ओर देखे और तब शूट करिए। बादल घिरे हो तो भी आपको कैच लाइट मिल सकती है ... सब्जेक्ट का चेहरा ऊपर करिए या फोटो ऊपर से खींचिए ताकि आंखों में आसमान की झलक मिल सके।

याद रखिए-रोशनी की ओर चेहरा रहे और ऊपर की ओर देखें।

(चित्र-1)

यदि आप रोशनी के उल्टी ओर शूट कर रहे हैं तो रिफ्लेक्टर (सिल्वर व गोल्डन ओर) का प्रयोग करें ताकि लाइट सब्जेक्ट के चेहरे पर पड़ सके।

1

मैंने 3 नंबर इमेज रोशनी के उल्टी ओर से ली थी रिफ्लेक्टर का प्रयोग करते हुए। 2 नंबर फोटो में सेट अप देखिए।

यदि सब्जेक्ट रिफ्लेक्टर की ओर नहीं देख रहा तो कैच लाइट नहीं मिल पाएगा। 4 नंबर इमेज में देखिए।

याद रखिए- लाइट को रिफ्लेक्ट करिए।

2- विंडो लाइट के साथ इंडोर

अपने सब्जेक्ट को कुछ ऐसे रखिए कि खिड़की से रोशनी सीधे आंखों में पड़े। यानि कि सब्जेक्ट का मुंह खिड़की से आने वाली रोशनी की ओर है (चित्र 6)। एक परफेक्ट स्पार्कल के लिए थोड़ा सा ऊपर की ओर से शूट करिए। (चित्र 6)

2

3

4

5

6

STUDIO NEWS
लखनऊ, बुधवार, 6 फरवरी 2019 से 5 मार्च 2019

मेरे लिए फोटोग्राफी देखने के बजाए महसूस करने की कला है। अगर आप खुद की तस्वीर को देख कर उस पल का एहसास नहीं कर पाएंगे तो किसी और को भी नहीं करा पाएंगे। - डॉन मैक्यूलिन

7

स्ट्रोब लाइट के साथ-

स्टूडियो के इस्तेमाल के लिए मार्केट में कई प्रकार के लाइट शेपर्स उपलब्ध हैं। जैसे कि चौकोर, रेक्टैंगल, ऑक्टा, गोल, ब्यूटी डिश आदि। अधिकतम आप चौकोर शेप के लाइट शेपर्स का प्रयोग करते होंगे।

आप दो ऐसी स्ट्रोब लाइट को रखते हैं पोट्रेट कैप्चर करने के लिए। इस केस में आपको दो चौकोर कैच लाइट मिलेंगी (चित्र 7)। किंतु यह सर्वश्रेष्ठ नहीं है।

यदि आप रैक्टैंगल आकार के लाइट शेपर्स यूज़ करते हैं। तो आप दो ऐसे लाइट स्ट्रोब से पोट्रेट कैप्चर करते हैं। इस केस में आपको दो रैक्टैंगल कैच लाइट मिलेगी (चित्र 8 व 9)। किंतु यह भी सर्वश्रेष्ठ नहीं होगी।

यदि आप ऑक्टा आकार वाले लाइट शेपर का प्रयोग कर रहे हैं तो आप एक स्टोबलाइट को रिफ्लेक्टर के साथ रखिए पोट्रेट खींचने के लिए (चित्र 10)। इसमें आपको लगभग गोल कैच लाइट मिलेगी (चित्र 11)। जीवंत पोट्रेट के लिए यह अच्छा प्रभाव डालता है।

यदि आप गोलाकार के लाइट शेपर प्रयोग करते हैं और आपको पोट्रेट खींचनी है तो एक स्ट्रोबलाइट को रिफ्लेक्टर के साथ रखिए (चित्र 12)। ऐसे में आपको एकदम बढ़िया राउंड कैच लाइट मिलेगी। यह पोट्रेट को जीवंत दिखाने के लिए मददगार है। (चित्र 13)

8

9

10

11

12

13

मोज़ा एयर 2

असीमित क्षमता

एफओसी तकनीक से लैस मोज़ा एयर 2 चाढ़े चार किलो तक के डीएसएलआर, मिररलेस कैमरे व पॉकेट सिनेमा कैमरे हैंडल करने में सक्षम है। इससे आप कैमरे, लेंस कॉम्बिनेशन व अन्य एसेसरीज़ की विस्तृत रेंज को चुनने के लिए स्वतंत्र हैं।

चार हाई रेट LI-ION 18650 बैट्री मोज़ा एयर 2 को 16 घंटे तक रनटाइम देती है। यदि आपको पूरे दिन की फिल्मिंग करनी हो तो आप आसानी से अतिरिक्त बैट्री ला सकते हैं।

मोज़ा स्पार्क पावर सप्लाई सिस्टम

मोज़ा स्पार्क पावर देता है कैमरे को पावर करने वाले 4 एसेसरी के पोर्ट, और फिल्म एसेसरी जैसे इलेक्ट्रॉनिक फॉलो फोकस, एलईडी लाइट और एक मॉनिटकर। मोज़ा स्पार्क पावर सप्लाई सिस्टम का एक हिस्सा बैट्री मैनेजमेंट सिस्टम (बीएमएस) है।

बीएमएस इसकी क्षमता बढ़ता है। बीएमएस का इस्तेमाल करने से मोज़ा एयर 2 की पूरी बैट्री लाइफ बढ़ जाती है।

स्मार्ट टाइम-लैप्स

मोज़ा एयर 2 देता है विकसित यूजर इंटरफेस और हार्डवेयर कंट्रोल टाइम लैप्स सिस्टम जो सोनी, कैनन व निकॉन द्वारा बनाए गए कैमरों को कंट्रोल कर सकता है।

प्रोफेशनल मोशन टाइम लैप्स जैसे टाइम लैप्स को ट्रैक करना, टाइम लैप्स को जूम करना और 18 अन्य मोशन टाइम लैप्स को किएट करने के लिए मोज़ा एप का प्रयोग करिए। मोज़ा एयर 2 के साथ आप एक अलग ही दुनिया कैप्चर करने में सक्षम होंगे।

4 एक्सिस और 8 फॉलो मोड

मोज़ा एयर 2 का चौथा एक्सिस है मोज़ा फॉलो फोकस जो देता है लेंस फोकस और जूम पर नियंत्रण। मोज़ा एयर 2 के हैंडल से आप स्मार्ट व्हील घुमाइए और तुरंत लेंस फोकस या जूम के अपने एडजस्टमेंट बनाइए। 8 फॉलो मोड, इंसेप्शन मोड, एफपीवी, स्पोर्ट गियर मोड, पैनोरमा और ट्रैकिंग के साथ आपकी रचनात्मकता की कोई सीमा ही नहीं होगी।

अधिक प्रदर्शन के लिए ऑटो ट्यूनिंग

अल कैलकुलेशन (AI calculation) सिस्टम इतना कुशल है कि यह गिंबल के कुल वजन के हिसाब से मोजा एप को ऑप्टिमल पैरामीटर का चयन करने देता है ताकि रीएडजस्ट करने में दिक्कत न हो।

एक स्टेप संतुलन

मोज़ा एयर 2 का क्विक रिलीज सिस्टम मैनफ्रोटो क्विक रिलीज प्लेट्स को स्वीकार करता है और देता है हार्ड स्टॉप में एक स्टेप बैलेंसिंग। यह हार्ड स्टॉप इस बात को सुनिश्चित करता है कि कैमरा हमेशा एक ही स्पॉट की दिशा में रहे। वन स्टेप बैलेंसिंग और मैनफ्रोटो की संगत में गिंबल को रीबैलेंस करने की जरूरत नहीं। कैमरे को गिंबल में लॉक करें और मोज़ा एयर 2 के साथ अपनी फिल्मिंग चालू करें।

कंपैक्ट डिजाइन

मोज़ा एयर 2 में है एंगल्ड मोटर आर्म, जो आपको देता है कैमरे की स्क्रीन का बाधा रहित व्यू और कैमरे को सेटअप को संतुलित करने का स्कोप।

यह आपके शॉट्स को फ्रेम करने व एक्शन को फॉलो करना आसान बना देता है। मोज़ा एयर 2 हैंडल में है 12 बटन जो रिकॉर्डिंग, जूम, फोकस, आइएसओ, शटर, अपर्चर, एक्सपोजर, कंपनसेशन जैसे फंक्शन तक आसान पहुंच बनाता है।

ज्ञानवर्धक फीडबैक

एक इंटेलिजेंट ओएलईडी डिसप्ले देता है ज्ञानवर्धक फीडबैक और साथ ही गिंबल और कैमरा के मानक एडजस्ट करने में मदद करता है।

मोज़ा एयर 2 का ज्वायस्टिक, स्मार्टव्हील और स्मार्ट ट्रिगर उपयोगकर्ता के अनुसार कस्टमाइज हो सकता है। पांच अलग-अलग यूज़र कंट्रोल प्रोफाइल सुरक्षित रह सकती है और दोबारा प्राप्त भी हो सकती है।

अधिक विस्तार की संभावनाएं

हैंडग्रिप के निचली और पीछे की ओर (इंच स्क्रू के छेद आपकी डिवाइस को अधिक विस्तार की संभावनाएं देते हैं। गिंबल को ट्राइपॉड, स्लाइडर, जिब, क्रेन या अन्य किसी कनेक्शन में जोड़ा जा सकता है।

मोज़ा कैमरा बैकपैक

यह बैगपैक कहीं भी लाने ले जाने में सुविधाजनक हैं। यह न केवल 3 एक्सिस का गिंबल किसी भी पोजिशन में रखने में बल्कि फोटोग्राफिक के उत्पादों को रखने में भी पूरी तरह सक्षम है।

आइफोकस iFOCUS (इंटेलिजेंट वायरलेस लेंस कंट्रोल सिस्टम)

आइफोकस को एयर 2 के साथ मिलाने से निम्न फंक्शन मिलते हैं-

ऑटो फोकस शिफ्टिंग

आप शुरू व अंत के प्वाइंट पर फोकस और फोकस शिफ्ट के समय को सेट कर सकते हैं। फोटोग्राफर के गिंबल ऑपरेट करने के दौरान पैरामीटर के अनुसार फॉलो फोकस सिस्टम ऑटोमैटिकली फोकस शिफ्ट कर लेगा।

ऑटो जूम

आप शुरू व अंत पर फोकल लेंथ और जूम का समय सेट कर सकते हैं। फोटोग्राफर के गिंबल ऑपरेट करने के दौरान पैरामीटर के अनुसार फॉलो फोकस सिस्टम ऑटोमैटिकली जूम कर लेता है।

आइफोकस

STUDIO NEWS
लखनऊ, बुधवार, 6 फरवरी 2019 से 5 मार्च 2019

फोटोग्राफी मानवीय अस्तित्व को बेहतर ढंग से समझने का एक माध्यम है। - राल्फ हटर्सले

महान विभूतियाँ

जहाँगीर नौरोजी उनवाला

(20 सितम्बर 1896 - 23 अक्टूबर 1963)

जहांगीर नौरोजी उनवाला

जहांगीर नौरोजी उनवाला का जन्म बंबई के समृद्ध पारसी परिवार में 20 सितंबर 1896 को हुआ। यह इत्तेफाक ही है कि उनका व पारसी के पैगम्बर ज़ोरोस्तर की जन्म तिथि एक ही है। इस इत्तेफाक का कुछ तो मतलब होगा ... ऐसा इसलिए क्योंकि उनवाला एक करूणा व दया से भरे व्यक्ति थे और उनके दयालु स्वभाव का प्रभाव कई लोगों पर था।

उनवाला का स्कूली जीवन काफी ऊंचाइयों से भरा था। वह केवल पढ़ाई तक ही सीमित नहीं रहे बल्कि फाइन आर्ट के क्षेत्र में भी उन्होंने कदम रखा। वह एक बेहतरीन कलाकार और कुशल अभिनेता तो थे ही साथ ही वायलन भी बजाते थे। इस सभी उपलब्धियों के बाद भी उनका प्रेम फोटोग्राफी था। 1916 की शुरूआत में उन्होंने "सैंडरसन कैमरा" के लिए काम करना शुरू किया।

जहांगीर के पिता नौरोजी उनवाला का कीमती पत्थरों का बिजनेस था। एक रात उनके कार्यक्षेत्र में लगी आग ने उनका सबकुछ तबाह कर दिया। सदमे की वजह से उनकी जान चली गई और 1918 में घर का पूरा भार जहांगीर पर आ गया। परिवार में मां, भाई और बहन थे जिनकी जिम्मेदारी जहांगीर को ही संभालनी थी जो उस समय युवक थे। उनवाला ने तब स्टॉकब्रोकर आरपी श्रॉफ एंड सन्स के लिए सब ब्रोकर के तौर पर काम किया। 35 साल तक जहांगीर ने वहाँ काम किया।

सन 1923 में उन्होंने मानी अदारजी चौकसी नामक युवती जोकि एक प्रतिभावान पेंटर थी से विवाह किया। दोनों का एक बेटा हुआ जिसका नाम जल जहांगीर उनवाला रखा गया। 1955 में जहांगीर को वो काम करने का मौका मिला जिसके बारे में वह कॉलेज के समय से ख्वाब देखते थे - खुद का स्टूडियो खोलना। एक महान लोकोपकारक व कला और कलाकार के संरक्षक, जिहागो के सीरवई ने अपना एक छोटा मगर सभी उपकरणों से लैस स्टूडियो उनवाला को दे दिया। जल्द ही उनवाला का स्टूडियो प्रेरणा व फोटोग्राफी की कला को सीखने का केंद्र बन गया व यहां लोगों का तांता लगने लगा।

फोटोग्राफी की दुनिया मे उनवाला की बेहद खास जगह है। उन्हें भारतीय फोटोग्राफी का पितामह भी कहा जाता है। वह इकलौते भारतीय थे जो लंदन के प्रतिष्ठित सैलून के सदस्य थे। साथ ही हॉनरेरी फेलो ऑफ रॉयल फोटोग्राफिक सोसाइटी, फेलो ऑफ इंस्टीट्यूट ऑफ सिनेमैटोग्राफी, फाउंडर कैमरा पिक्टोरियालिस्ट ऑफ बॉम्बे, फाउंडर इंडियन एकेडमी ऑफ फोटोग्राफी व वर्षों तक वह फाउंडर एंड प्रेसिडेंट ऑफ फोटोग्राफिक सोसाइटी ऑफ इंडिया के सदस्य भी रहे।

विदेशों में फोटोग्राफी के क्षेत्र में भारत की प्रतिष्ठा उनवाला के 50 साल की निरंतर कड़ी मेहनत का ही नतीजा है। उनके निजी रिकॉर्ड व सफलताओं की सूची इतनी श्रेष्ठ है कि वहां तक या फिर उसके आसपास भी किसी भारतीय का पहुंच पाना बेहद मुश्किल है।

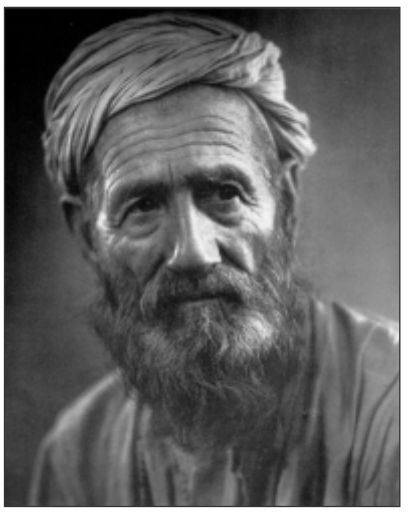

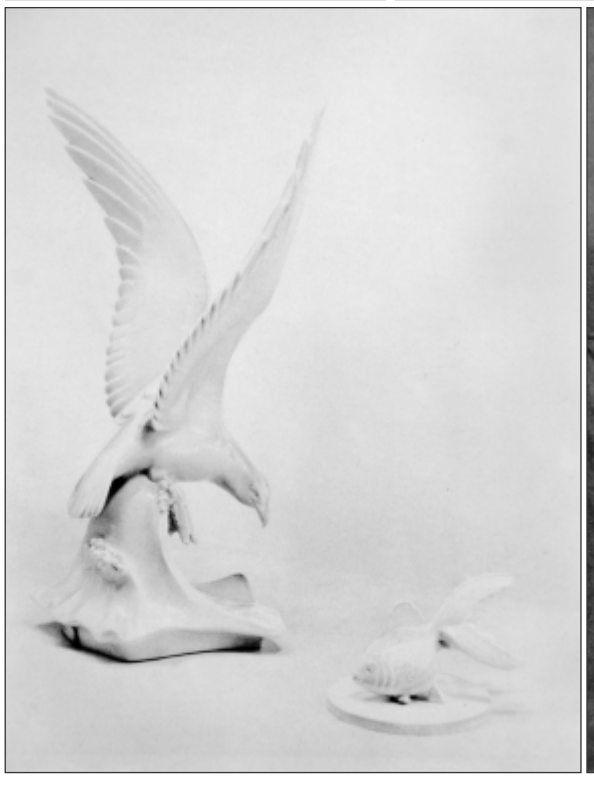

एक समय वह भी था जब उनवाला का नाम शीर्ष एक्जीबिटर्स में गिना जाता था और अमेरिकन एनुअल ऑफ फोटोग्राफी में वह चौथे स्थान पर थे।

अपना पूरा जीवन उन्होंने फोटोग्राफी के विकास, बेहतरी व बढ़ावा देने के लिए लगा दिया। भारत में उन्होंने अपने ज्ञान के भंडार को बांटा व काबिल लोगों को स्कॉलरशिप भी प्रदान की।

हालांकि वह ज्यादातर कॉमर्शियल व फोटोग्राफी एडवर्टाइजिंग में ही व्यस्त रहे फिर भी इसके बावजूद वह उन महान हस्तियों की तस्वीर लेना कतई नहीं भूलते थे जो बंबई पिक्टोरियल व प्रदर्शनी हेतु कार्य के लिए पधारते थे।

चार दशक तब उनवाला टॉप अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों में हिस्सा लेते रहे। वह वास्तव में फोटोग्राफी के हर आयाम में वह एक परिपूर्ण व्यक्ति थे। उनकी लगन की तुलना ही नहीं की जा सकती। फोटोग्राफी जगत में जहांगीर का योगदान अतुल्य है जो कभी भुलाया न जा सकेगा।

महानतम व्यक्ति जहांगीर उनवाला का निधन 23 अक्टूबर, 1963 को हुआ।

अनिल रिसाल सिंह
MFIAP, ARPS, Hon. FIP, Hon. LCC, Hon. FSoF, Hon. FPAC, Hon. TPAS, Hon. FSAP, Hon. FICS, Hon. PESGSPC, Hon. FPSNJ
पूर्व अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ इण्डियन फोटोग्राफी

प्रयागराज कुम्भ 2019 के नजारे

Pic : VSUNIL

Pic : SAHIL

Pic : SAHIL

Pic : VSUNIL

Pic : VSUNIL

Pic : VSUNIL

Pic : ASHUTOSH TRIPATHI

STUDIO NEWS
लखनऊ, बुधवार, 6 फरवरी 2019 से 5 मार्च 2019

एक अच्छी तस्वीर लेने के लिए उस में कुछ मानवीय भावना होना ज़रूरी है। - रॉबर्ट फ्रैंक

Pic : MOHD. MUQEED

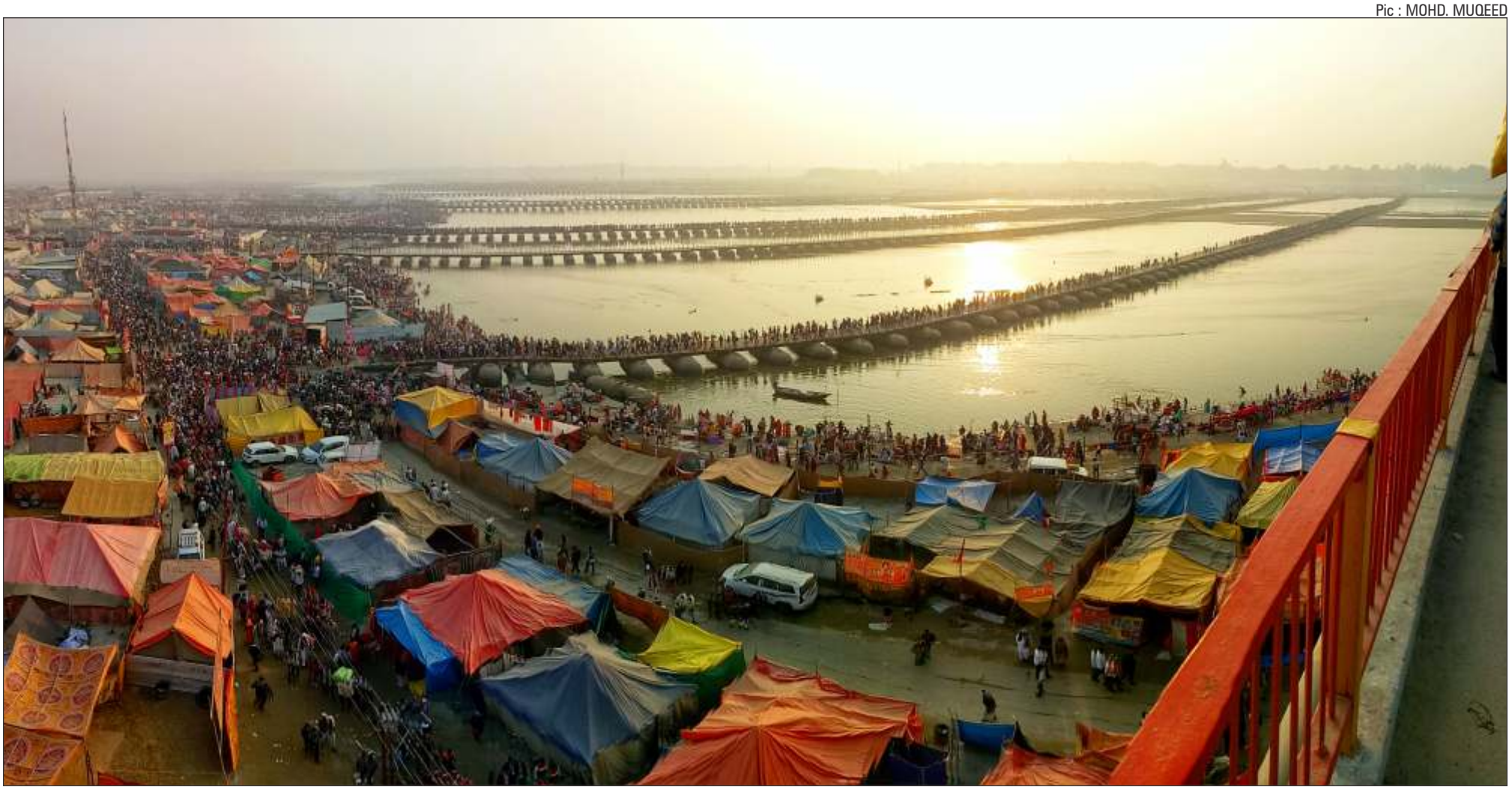

Pic : ASHUTOSH TRIPATHI

Pic : MOHD. MUQEED

Pic : ASHUTOSH TRIPATHI

Pic : SURAJ

सीनकटर

सतरंगी रोशनी में छुपी चुनौतियों में बेहतर तस्वीर कैसे उतारें

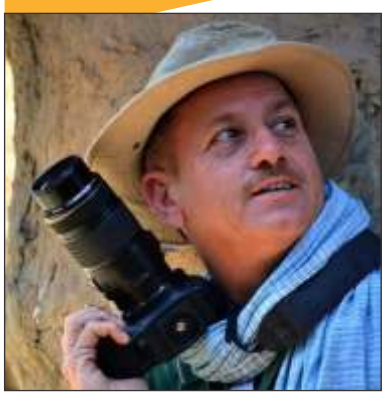

त्रिलोचन एस. कालरा
वरिष्ठ फोटो पत्रकार
एवं
एमिटी विश्वविद्यालय के
पत्रकारिता विभाग में
असिस्टेंट प्रोफेसर

एक्सपोज़र की गणित सीधे तौर पर प्राकृतिक व कृत्रिम प्रकाश के नियंत्रण से जुडी है। कृत्रिम प्रकाश में चमकने वाले रंग, उनका तापमान भी इसमें महत्वपूर्ण योगदान देता हैं। इसलिए सबसे ज्यादा चुनौती फैशन शो इत्यादि को शूट करने में आती है। जहाँ रैंप पर झिलमिलाती नीली, पीली, बैगनी और हरी रौशनी मॉडल्स पर पड़ती रहती हैं। इसके अलावा तेज़ रौशनी वाली सफ़ेद स्पॉट लाइट भी घूम-घूम विषयवस्तु पर पड़ती रहती है। रैंप पर वॉक करती मॉडल्स के चेहरे पर जब ये सफ़ेद स्पॉट लाइट पड़ती हैं, अगर तभी फोटो क्लिक हो जाये तो दूधिया रौशनी मॉडल्स का चेहरा एकदम फ्लैट कर देती है। ऐसे में मॉडल के चेहरे पर यदि मेकअप हो, तो चेहरे की डिटेल्स और गायब हो सकती है। ऐसे में यह समस्या रहती है कि वाइट बैलेंस क्या सेट किया जाये, इसे टंगस्टन पे सेट किया जाये या ऑटो वाइट बैलेंस किया जाये या केल्विन पे सेट किया जाए, शटर स्पीड और अपर्चर की चिंता अलग सताती है। इतनी सेटिंग के चक्कर में तस्वीर भी हाँथ से निकल जाती है। एक और चुनौती फोटोग्राफर्स के सामने आती है कि रैंप के पीछे यानि पृष्ठभूमि में लगे फ्लेक्स का रंग बहुत ब्राइट होता है तथा फ्लेक्स पर कुछ कंटेंट भी लिखा होता है तो यह स्थिति मॉडल्स के चेहरे की डिटेल्स को प्रभावित करती है कई बार मॉडल के चेहरे से ज्यादा पीछे का बैनर या फ्लेक्स चमकता है। इसके साथ ही रैंप पर मॉडल्स के पीछे या आगे उठने वाला स्मोक (धुवां) भी कई बार अच्छा प्रभाव दे जाता है। ऐसे आयोजन कराने वाले कभी भी फोटोग्राफर के लिहाज़ से मंच की सजावट नहीं कराते हैं इसलिए फोटोग्राफर को स्वयं को ऐसे हालात में ढालना जरूरी होता है। ऐसे माहौल में कैमरा और लेंस भी खास रोल निभाते है। कैमरे के फुल या क्रॉप सेंसर और लेंस का अपर्चर मुख्य भूमिका में होता है। यदि वाइड अपर्चर वाला 2.8 लेंस व फुल फ्रेम कैमरा हाँथ में नहीं है, तो यहाँ आई.एस.ओ. बढ़ाना भी लाज़मी हो जाता है क्योंकि मॉडल रैंप पर एक्शन में चल कर आती है, रूकती है, फिर चलती है। तो शटर की गति बढ़ानी पड़ती है जिससे उनके चलने-फिरने का एक्शन फ्रीज़ हो सके, यदि क्रॉप सेंसर कैमरा प्रयोग कर रहे हैं तो ऐसे अवसर पर आई.एस.ओ. को बढ़ाना ही पड़ेगा। किन्तु ऐसी स्थिति में फोटो में "नॉइज़" जरूर आती है लेकिन दिखती तब है जब फोटो ज्यादा बड़ी करके देखी जाए। इसमें कोई शक नहीं कि वाइड अपर्चर लेंस और फुल फ्रेम कैमरे इस प्रकार के आयोजन के लिए सर्वथा उपयुक्त होते हैं, इनसे कम रौशनी में भी 400 से 800 आई.एस.ओ. से काम चल जाता है। लेकिन जिनके पास क्रॉप सेंसर कैमरे है और लेंस 70-200 एम. एम. - एफ 4 या 18-105 एफ 3.5-5.6 अपर्चर लेंस हैं उनके लिए यह चुनौती थोड़ी तो बढ़ ही जाती है। एक तो फोटोग्राफर्स की भीड़ में उम्दा शॉट क्लिक करने की चुनौती और ऊपर से एक्सपोज़र सेटिंग की चुनौती ... इनका जवाब ढूंढना ही हर फोटोग्राफर का काम है। इस बार "सीन कटर" कॉलम एक फैशन शो की तस्वीरें और उनसे जुड़े पहलुओं पर आधारित है। सारी तस्वीरें 24.2 मेगा पिक्सेल के एक क्रॉप सेंसर कैमरे और 70-200 एम् एम् लेंस - एफ़ 4 के साथ ली गयी हैं। तस्वीरों से यह स्पष्ट होगा कि यदि आपके पास ऐसी ही अथवा इसके समकक्ष कोई भी कैमरा किट है तो ऐसे अवसरों पर तस्वीरें कैसे लें .... पहली तस्वीर में रैंप पर वॉक करती बादामी और ब्लैक रंग की ड्रेस में मॉडल मंच के बीचो-बीच एक ऐसे स्थान पर आकर रूकती है जहाँ से वह अपनी ड्रेस और स्टाइल का प्रदर्शन बारी-बारी से बाएं और दाएं मुड़ कर प्रदर्शित करती है, किन्तु इसी के बीच एक ऐसा पल भी आता है जब उसका रूख एकदम सामने होता है, अच्छे भाव दिखते ही शटर बटन दबा और ये भावमुद्रा मिल गयी, इसमें इस मॉडल की बायीं तरफ से प्रकाश का प्रभाव ज्यादा है और पीछे देख सकते है ऐसे कंटेंट वाले फ्लेक्स बैनर जिन पर लिखे शब्द ज्यादा दिख रहे हैं। अब ऐसी परिस्थिति में न तो बैनर हट सकता है, न हम फोटो लेना बंद कर सकते हैं .... जो है, जहाँ है, जैसा है बस शूट कर लो, ऐसे अवसर पर मॉडल को दुबारा रिपीट शॉट के लिए बुलाना संभव नहीं होता, दूसरी तस्वीर भी ठीक वैसे ही स्थान पर ली गयी है किन्तु इसमें मॉडल की ड्रेस का कलर लाल हैं लेकिन ये चलती हुई आ रही है इसका ध्यान सीधे मंच के सामने दर्शकों पर है, एक बात स्पष्ट कर दूं, ये सारी मॉडल जिन्हें आप देख रहे हैं ये प्रोफेशनल नहीं बल्कि स्टूडेंट हैं, इसलिए इनके एक्सप्रेशन में आपको वह भाव नहीं दिखेंगे जो प्रशिक्षित मॉडल्स के चेहरे पर होते है ... इसलिए एक्शन के दौरान इनका सबसे ज्यादा ध्यान खुद को सँभालने और व्यवस्थित रखने में लगा रहा ... दूसरी तस्वीर में मॉडल की ड्रेस का शोख लाल रंग पीछे दिख रही बैकग्राउंड पर हावी रहा, तीसरी तस्वीर में मॉडल रैंप पर आकर वापस मुड़ गयी तभी मुड़ते ही उसके बाल लहराए और तभी स्मोक का गुबार उठा और तस्वीर बन गयी, हालाँकि इस मॉडल का फ्रंट शॉट भी था किन्तु हमें यही बेहतर लगा, क्योंकि स्मोक के गुबार ने पीछे लिखे फ्लेक्स के कंटेंट को काफी हद तक छुपा दिया और लहराते हाँथ और बालों ने मेरे हिसाब से तस्वीर को अच्छा बना दिया। चौथी तस्वीर की मॉडल की ड्रेस पर्यावरण के सन्देश पर आधारित थी और मॉडल सीरियस दिख रही है इसके हाँथ में एक परियों वाली छड़ी है ... लेकिन जब इसकी तस्वीर क्लिक हुई बायीं तरफ से एक सफ़ेद स्पॉट लाइट इसके चेहरे पे पड़ी, बैकग्राउंड की रौशनी भी हलकी ग्रीन थी चेहरे पर शून्य से डरे हुए भाव हैं, पांचवी तस्वीर में मॉडल पौराणिक थीम पर आधारित ड्रेस में है और मुड़ के वापस जाने वाली थी तभी तस्वीर बनी, काश अगर इसने चेहरा थोड़ा और कैमरे की तरफ घुमा दिया होता तो अच्छा होता .... छठी तस्वीर की मॉडल जो पौराणिक थीम की ही ड्रेस में थी उसने थोड़ा अच्छा एक्सप्रेशन दे दिया और काम बना लेकिन इस तस्वीर में देख सकते हैं कि सफ़ेद स्पॉट लाइट ने इसकी ड्रेस का चटक रंग सॉफ्ट कर दिया। यह सभी चित्र 1600 आईएसओ, वाइट बैलेंस टंगस्टन और शटर प्रायोरिटी मोड पर शूट किये गए हैं और शटर स्पीड 1/400 सेकेंड निर्धारित की गयी, इस स्पीड पर प्रकाश परिस्थिति के अनुसार अपर्चर एफ़ 6.3-4-5.6 मिला। शटर प्रायोरिटी शूट मोड के अपने फायदे हैं इसमें सिर्फ आप शटर स्पीड सेट करते हैं और कैमरा लाइट के लिहाज़ से अपर्चर खुद ही सेट कर देता है। लेकिन कैमरे में आईएसओ ,वाइट बैलेंस और फोकस पॉइंट मीटरिंग मोड इत्यादि हमें पहले सेट करना पड़ता है।

Photos : Trilochan S. Kalra

STUDIO NEWS
लखनऊ, बुधवार, 6 फरवरी 2019 से 5 मार्च 2019

फोटोग्राफी वह कहानी है जिसे शब्दों के माध्यम से व्यक्त करना संभव नहीं है। - डस्टिन स्पार्क्स

गलत में भी सही

बड़ी सफलता पाने के लिए खुद को क्या करना पड़ेगा? इसी फलसफे को बताता आनन्द कृष्ण लाल का आलेख

ग़लती एक ऐसी चीज़ है जो हर इंसान से होती है। कभी-कभी बड़ी या कभी-कभी छोटी भी। हमारे द्वारा की गयी ग़लती हर बार हमें कुछ न कुछ सिखा कर जाती है पर यदि हम सीखना चाहें तो। ग़लतियां अनेक प्रकार से हो सकती हैं। ग़लती कई बार जानबूझ कर की गयी होती है और कई बार अनजाने में हो जाती है। जानबूझ कर की गयी ग़लती का नुक्सान अक्सर भुगतना पड़ता है, परन्तु अनजाने में हुई ग़लती से कई बार हम नुक्सान होने से बच निकलते हैं। जैसा मैंने ऊपर लिखा की ग़लतियों से हम कुछ सीख सकते हैं और अपने को सुधार सकते हैं, परन्तु ऐसा तभी हो सकता है कि जब हम ये बात समझ पाएं और स्वीकार कर पाएं कि हमसे ग़लती हुई है। दूसरे की ग़लतियों पर ऊँगली उठाना और अपनी ग़लती को स्वीकार ना करना बहुत आसान है। मेरी समझ में वह व्यक्तित्व महान होता है जो अपनी की गयी ग़लती को स्वीकार कर ले। साथ ही वह व्यक्तित्व और भी महान होता है जो अपनी जाने-अनजाने में की गयी ग़लतियों से सीख ले कर जीवन में आगे बढ़ते हैं। परन्तु हमारे आस-पास ऐसे लोग बहुत कम दिखाई देते है। अधिकतर ऐसा ही होता है कि आदमी अपनी की गयी ग़लती को किसी और के सर मढ़ देता है। मेरे, आपके, सबके साथ ये कभी ना कभी हुआ है कि किसी और के द्वारा की गयी ग़लती का खामियाजा हमें भुगतना पड़ा है। अपनी ग़लती को जान पाना भी अपने आप में एक विशिष्टता है। यानि कि कभी-कभी हम ग़लती कर जाते हैं और समझ नहीं पाते और इसके परिणामस्वरूप कभी खुद नुक्सान उठा बैठते हैं और कभी दूसरों का नुक्सान कर बैठते हैं।

आईये एक कहानी के द्वारा समझाने की कोशिश करता हूँ। किसी जंगल में एक सिंह, एक गधा और एक लोमड़ी रहते थे। तीनों में गहरी मित्रता थी। तीनों मिलकर जंगल में घूमते और शिकार करते। एक दिन वे तीनों शिकार पर निकले। उन तीनों में पहले से ही यह समझौता था कि मारे गए शिकार के तीन बराबर भाग किए जाएंगे। अचानक उन्होंने एक बारहसिंगा देखा। वह खतरे से बेखबर घास चर रहा था। तीनों ने मिलकर उसका पीछा किया और अंत में सिंह ने उसे मार गिराया। तब सिंह ने गधे से कहा कि वह मरे हुए शिकार के तीन भाग करे। गधे ने शिकार के तीन भाग किए और सिंह से अपना एक भाग ले लेने के लिए कहा। यह देखकर सिंह क्रोधित हो गया। उसने गधे पर हमला कर दिया और अपने नुकीले दांतों और पंजों से गधे को चीर-फाड़ दिया। उसके बाद उसने लोमड़ी से कहा कि वह अपना हिस्सा ले ले। लोमड़ी बहुत चालाक और बुद्धिमान थी। उसने बारहसिंगे का तीन चौथाई से अधिक भाग सिंह की सेवा में अर्पित कर दिया और अपने लिए केवल एक चौथाई से भी कम भाग रखा। यह देखकर सिंह बहुत प्रसन्न हुआ और बोला : "तुमने मेरे भोजन की सही मात्रा निकाली है। सच बताओ, कहां से यह चतुराई सीखी?" चालाक लोमड़ी बोली : "महाराज ! मरे हुए गधे को देखकर मैं सब समझ गई, उसकी ग़लती से ही मैंने सीखा है।"

कई बार ऐसा होता है कि हम सफल होने के लिये बहुत प्रयास करते हैं लेकिन लक्ष्य नहीं प्राप्त कर पाते हैं और निराश हो जाते हैं। निराश होने के बावजूद भी हमें हिम्मत नहीं हारनी चाहिये और सकारात्मक सोच रखनी चाहिये। थॉमस अल्वा एडिशन जैसे महान वैज्ञानिक को आप सब ही जानते होंगे। बिजली के बल्ब के फिलामेंट के आविष्कार के लिए उन्होंने दो हज़ार अलग-अलग मटीरियल पर प्रयोग किया लेकिन बल्ब जला पाने में सफलता नहीं मिल पायी। उनके सहायक ने बहुत निराश हो कर उनसे कहा कि हमारा इतना प्रयोग व्यर्थ हो गया है, हमने कुछ भी नहीं सीखा और न किसी नतीजे पर पहुंचे। इस बात कि भी कोई निश्चितता नहीं है कि हम विद्युत से प्रकाश बल्ब जला पाएंगे। एडिशन साहब ने बड़े आत्मविश्वास से जवाब दिया कि हम प्रयोग करते हुए इतने आगे निकल आये हैं कि हमने बहुत कुछ सीख लिया है। जैसे कि हम अब जानते हैं कि ये दो हज़ार मटीरियल से हम एक अच्छा बल्ब नहीं बना सकते और यह हमारे किसी काम के नहीं हैं। इस कहानी में दो हज़ार मटीरियल पर प्रयोग करने के बाद ये पता चला कि अभी तक के सारे प्रयास बेकार हो गए और यह सीख मिली की इन दो हज़ार मटीरियल से बल्ब कभी नहीं बनाया जा सकता।

हम सबके लिये आवश्यक है कि हम अपनी ग़लतियों को समझें, उन्हें स्वीकार करें, उनसे सीख लें और सफलता की ओर आगे बढ़ें। साथ ही अपने आस-पास के लोगों के द्वारा की गई ग़लतियों से भी सीख लें और उन्हें अपने जीवन में ना दोहरायें।

स्टूडियो न्यूज

तिमाही फोटो प्रतियोगिता

फोटोग्राफी में अपना नाम और पहचान बनाने के साथ-साथ उपहार पाने और स्टूडियो न्यूज में प्रकाशित होने का मौका। उठाइये अपना कैमरा, रचनात्मक तस्वीरें खींचे और हमें भेजें।

नियम :
1. फोटो केवल डिजिटल रूप में भेजनी है। फाईल का फार्मेट JPEG होना चाहिए।
2. फोटो कलर या B/W कोई भी हो सकती है।
3. फोटो का साइज 8x10 इंच में एवं 300 dpi की होनी चाहिए।
4. फोटो के ऊपर कोई वाटर मार्क या नाम नहीं लिखा होना चाहिए।
5. कम्पटीशन में अधिकतम 2 फोटो ही भेज सकते हैं।
6. प्रतिभागी अपनी फोटो के लिए स्वयं जिम्मेदार होगा। किसी दूसरे की फोटो होने पर स्टूडियो न्यूज जिम्मेदार नहीं होगा।
7. फोटोग्राफर अपनी पासपोर्ट साइज फोटो, पूरा पता एवं फोन नम्बर अवश्य भेजें अन्यथा उनकी फोटो प्रतियोगिता में शामिल नहीं की जायेगी।

प्रतियोगिता की अन्तिम तिथि 28 अप्रैल 2019

निर्णायक दल

वरिष्ठ छायाकार
अनिल रिसाल सिंह

आर्ट्स कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल
जयकृष्ण अग्रवाल

फोटो infostudionewsup@gmail.com पर मेल करें।

दो तिमाही जीतिए

32GB पेन ड्राइव

16GB पेन ड्राइव

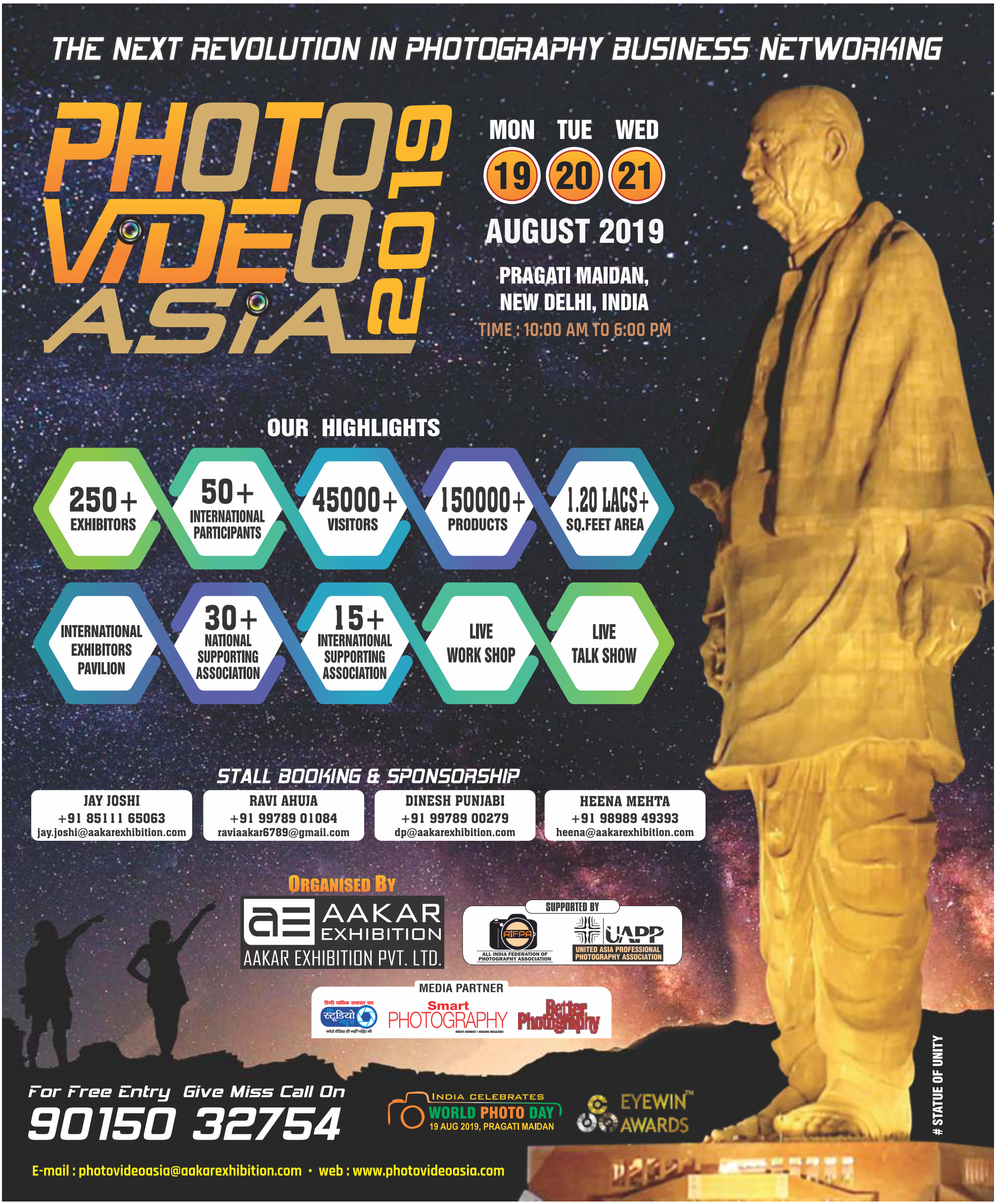
THE NEXT REVOLUTION IN PHOTOGRAPHY BUSINESS NETWORKING
PHOTO VIDEO ASIA 2019
MON TUE WED
19 20 21
AUGUST 2019
PRAGATI MAIDAN, NEW DELHI, INDIA
TIME : 10:00 AM TO 6:00 PM
OUR HIGHLIGHTS
250+ EXHIBITORS
50+ INTERNATIONAL PARTICIPANTS
45000+ VISITORS
150000+ PRODUCTS
1.20 LACS+ SQ.FEET AREA
INTERNATIONAL EXHIBITORS PAVILION
30+ NATIONAL SUPPORTING ASSOCIATION
15+ INTERNATIONAL SUPPORTING ASSOCIATION
LIVE WORK SHOP
LIVE TALK SHOW
STALL BOOKING & SPONSORSHIP
JAY JOSHI +91 85111 65063 jay.joshi@aakarexhibition.com
RAVI AHUJA +91 99789 01084 raviaakar6789@gmail.com
DINESH PUNJABI +91 99789 00279 dp@aakarexhibition.com
HEENA MEHTA +91 98989 49393 heena@aakarexhibition.com
ORGANISED BY
AAKAR EXHIBITION
AAKAR EXHIBITION PVT. LTD.
SUPPORTED BY
AIFPA ALL INDIA FEDERATION OF PHOTOGRAPHY ASSOCIATION
UAPP UNITED ASIA PROFESSIONAL PHOTOGRAPHY ASSOCIATION
MEDIA PARTNER
स्टूडियो न्यूज
Smart PHOTOGRAPHY
Better Photography
For Free Entry Give Miss Call On
90150 32754
INDIA CELEBRATES WORLD PHOTO DAY
19 AUG 2019, PRAGATI MAIDAN
EYEWIN™ AWARDS
E-mail : photovideoasia@aakarexhibition.com • web : www.photovideoasia.com
STATUE OF UNITY

STUDIO NEWS
लखनऊ, बुधवार, 6 फरवरी 2019 से 5 मार्च 2019

एक तस्वीर को यादगार बनाने के लिए डेप्थ ऑफ फील्ड की नहीं डेप्थ ऑफ फीलिंग्स की जरूरत होती है। - पीटर एडम्स

स्मार्टफोन कैमरा फीचर्स जो 2019 में प्रोफेशनल फोटोग्राफर होने का एहसास देंगे

ज्यादा मेगापिक्सल का मतलब बेहतर तस्वीर नहीं होता

2019 में स्मार्टफ़ोन कैमरा में क्या-क्या बदलाव होने वाले हैं। इसके बारे में वरिष्ठ छायाकार **अतुल हुंडू** का विस्तृत आलेख।

Pics : Atul Hundoo by OnePlus 6T

साल 2018 ड्यूल कैमरा सेटअप के नाम रहा। इससे आगे बढ़ कर सैमसंग और हुआवे जैसे स्थापित फ़ोन ब्रांड्स ने ट्रिपल और क़्वाड-कैमरा स्मार्टफोन लांच कर दिए। 2019 में स्मार्टफोन में इससे अधिक कैमरों वाले फ़ोन के दिखने की उम्मीद हैं। जहाँ ड्यूल कैमरों ने फोटोग्राफरों को पोर्ट्रेट मोड जैसी सुविधाओं दीं, वहीं ट्रिपल और क़्वाड-कैमरा सेटअप वाले फ़ोन में तस्वीरों में ज़्यादा डेप्थ, वाइड एंगल, मोनोक्रोम और एक टेली-फोटो लेंस की सुविधा है। जल्द ही 5 कैमरा वाले नोकिया 9 प्योर व्यू व अन्य ब्रांड के फ़ोन 2019 में मार्केट में लांच होने वाले हैं। हालांकि यह देखना दिलचस्प होगा कि, क्या गूगल अंततः 2019 में पिक्सेल फोन में एक से अधिक कैमरे का उपयोग करने का फैसला करता है।

साल 2019 में आने वाले फ़ोन कैमरों में हमें क्या-क्या खास मिलने वाला है, आइए इस पर नज़र डालें।

1. ज़्यादा मेगा पिक्सेल 2019 में एक लेटेस्ट ट्रेंड के रूप में दिख सकता है। हुआवे नोवा 4 अंतर्राष्ट्रीय स्टार पर लांच होना वाला 48 मेगापिक्सेल का पहला फ़ोन है। इसकी डिस्प्ले में एक छेद है जिसमें फ्रंट कैमरा है। इस फोन में इन-हाउस हाइसीलिकन किरिन 970 प्रोसेसर है। भारत में इस फोन की लांचिंग की अभी कोई सूचना नहीं है।

शाओमी जल्द अपने फ़ोन 48 मेगापिक्सेल के फ़ोन लॉच कर रहे हैं। ऑनर इस बात की ऑफिशल पुष्टि कर चुका है। 48 एमपी के इस डिवाइस को ऑनर व्यू 20 कहा जाएगा और यह लगभग 100: एज-टू-एज डिस्प्ले होगा। इससे पहले सबसे ज़्यादा मेगापिक्सेल वाले फ़ोन का रिकॉर्ड नोकिया 1020 के नाम था जो 41 मेगापिक्सेल का था। रेडमी प्रो-2 श्याओमी का 48 मेगापिक्सेल स्मार्टफोन हो सकता है। शाओमी के इंडिया हेड मनु कुमार जैन के मुताबिक इस फ़ोन में क्वालकॉम स्नैपड्रगन 675 soc चिप सेट लगा होने की सम्भावना है जोकि 48 मेगापिक्सेल के सेंसर को सपोर्ट करता है। टीज़र्स में दिख रहे डिटेल्स के हिसाब से इस फुल स्क्रीन डिस्प्ले फोन में आगे की तरफ स्क्रीन पर फ्रंट कैमरा लगा होगा। इसकी कीमत 20000-21000 रूपए के बीच होने की सम्भावना जताई जा रही है। शाओमी ने चीन में साल 2016 में इस सीरीज का पहला ड्यूल कैमरा फ़ोन रेडमी प्रो लांच किया था।

मेगापिक्सेल की संख्या और भी बढ़ सकती है। यह आंशिक रूप से सेंसर प्रौद्योगिकी पर निर्भर करता है। सोनी और सैमसंग 48 मेगापिक्सेल सेंसर बना चुके हैं। ऑनर व्यू 20 में एक 48 मेगापिक्सल का रीयर कैमरा है जिसमें सोनी आईएमएक्स 586 सेंसर है। सैमसंग ने 48 मेगापिक्सेल इमेज सेंसर भी पेश किया है जो जल्द ही समसंग के फ़ोन में देखने को मिलेगा।

ज़्यादा मेगापिक्सेल किसी भी कैमरा में तस्वीरों के बेहतर होने का पैमाना नहीं है। गूगल पिक्सेल 3, आईफोन-एक्स एस जैसे फ़ोन कम मेगा पिक्सेल के होने के बावजूद ज़्यादा मेगापिक्सेल के कैमरा से कहीं बेहतर तस्वीरें लेते हैं। जैसे-जैसे सेंसर बेहतर हो रहे हैं, हमारे स्मार्टफ़ोन में कैमरे की क्वालिटी भी सुधर रही है।

2. बेहतर लो लाइट परफॉरमेंस : बेहतर सेंसर और एआई तकनीक से लैस स्मार्टफोन द्वारा कैप्चर की गई कम रोशनी की फोटो बेहतर हो रही हैं। गूगल पिक्सेल 3 में 'नाइट साइट मोड' एक ऐसा मोड है जो अँधेरे में भी बढ़िया तस्वीरें लेता है। गूगल के अलावा हुआवे, आईफोन, सैमसंग, वनप्लस में भी कम रोशनी में तस्वीरें लेने के लिए मोड है। ऑप्टिकल स्टैब्लाइज़ेशन और फ़ास्ट एपर्चर जैसे f/1.5 (सैमसंग गैलेक्सी नोट 9) स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं को बेहतर कम रोशनी छवियों को कैप्चर करने में भी मदद करता है।

स्मार्टफोन कंपनियां इस दिशा में प्रभावी कदम उठा रही हैं।

3. पोर्ट्रेट में बेहतर बोकेह : स्मार्टफोन का पोर्ट्रेट मोड दिन-ब-दिन बेहतर हो रहा है। कुछ स्मार्टफोनों में टेलीफोटो लेंस भी होते हैं, जो एक ट्रेडिशनल पोर्ट्रेट लेंस की तरह काम करते हैं। कुछ में डेप्थ कण्ट्रोल के लिए सेकेंडरी कैमरा भी होता हैं। लेकिन गूगल पिक्सेल में केवल एक कैमरा है लेकिन यह बेहतरीन डेप्थ कण्ट्रोल का ऑप्शन देता है। इसके लिए कंप्यूटर आधारित डिजिटल एल्गोरिदम का उपयोग किया जाता है।

जैसे-जैसे तकनीकी प्रगति होगी और मोड थोड़ा अधिक बेहतर होते जाएगे, हमें यकीन है कि स्मार्टफ़ोन के साथ कैप्चर किए गए पोर्ट्रेट में और निखार आएगा।

4. मल्टी कैमरा फ़ोन का ज़माना है, ड्यूल कैमरा सेटअप अब पुरानी बात हो गई। एलजी ने 16 कैमरा वाले डिज़ाइन का पेटेंट लिया है। ट्रिपल और क़्वाड-कैमरा सेटअप वाले फ़ोन भी लांच हो चुके हैं। लेकिन कुछ ब्रांड्स (जैसे गूगल पिक्सेल 3) अब भी सिंगल कैमरा सेटअप से बेहतरीन आउटपुट दे रहे हैं। ऑनर व्यू 20 में गूगल पिक्सेल की तरह एक ही कैमरा होगा।

यह निश्चित है कि 2019 में स्मार्टफोन निर्माताओं के लिए फ़ोन कैमरा पर फोकस जारी रहेगा। कई स्मार्टफ़ोन मैन्युअल नियंत्रण और रॉ शूटिंग भी प्रदान करते हैं जो फोटोग्राफरों के लिए बढ़िया विकल्प भी है। हुआवे, गूगल, सैमसंग आदि फ़ोन कंपनियों के विज्ञापन इस बात की तस्दीक करते मिल जाएगें कि उनके लिए फ़ोन कैमरा कितना महत्वपूर्ण है।

5. सैमसंग अपने हाई-एन्ड फ़ोन में इस्तेमाल होने वाले स्टाइलस में उच्च ऑप्टिकल क्षमता वाले लेंस टेक्नोलॉजी पर काम कर रही है।

ऐसी भी खबर है कि स्मार्टफोन कैमरा टेक्नोलॉजी से जुड़ी इज़राइली कंपनी कोर-फोटॉनिक्स को सैमसंग ने खरीद लिया है। यह कंपनी फ़ोन कैमरा के छोटे सेंसर होने की वजह से होने वाली कमियों पर काम कर रही है। कोरफोटोनिक्स ही वह कंपनी है जिसने ओप्पो के लिए बिना इमेज क्वालिटी कोम्प्रोमाईज़ किये 5× जूम टेक्नोलॉजी डेवलप की थी। अब उनके पास 10× व 25× लॉग लेंस जूम तकनीक मौजूद है।

6. वीवो वी15 में दुनिया का पहला और सबसे ज़्यादा, 32 मेगापिक्सेल का पॉपअप कैमरा है।

7. टीओएफ 3डी कैमरा : ऐप्पल के ट्रू डेप्थ कैमरे के लिए एंड्रॉइड का जवाब है फ्लाइट कैमरे। डेप्थ सेंसिंग कैमरा तकनीक, इंफ्रारेड लाइट सब्जेक्ट पर टकरा कर लौटने में लगे समय पर आधारित है। किसी व्यक्ति के चेहरे के 30,000 से अधिक अंकों की गणना के आधार पर फोन को सुरक्षित रूप से अनलॉक करने और फ़ोटो पर एडवांस ब्यूटी फ़िल्टर अप्लाई करने में यह तकनीक काम करेगी। टीओएफ कैमरा ऑगमेंटेड रियलिटी के लिए भी मददगार होगा। उपलब्ध जानकारी के अनुसार सैमसंग गैलेक्सी एस10 में AR (ऑगमेंटेड रियलिटी) आधारित टीओएफ कैमरा होगा।

AI तकनीक

पिछले दो वर्षों में, AI (कृत्रिम बुद्धि) भी स्मार्टफोन का एक अभिन्न अंग बन गया है। ऐप्पल, गूगल, हुआवेई जैसे स्मार्टफोन निर्माता AI को अपने कैमरा सेगमेंट बढ़िया तस्वीरों को क्लिक व प्रोसेस इस्तेमाल कर रहे हैं।

मुख्य 5 कारण जहां AI वास्तव में स्मार्टफोन कैमरे को गतिशील बनाने में भूमिका निभा रहा है इस प्रकार है :

1. फोटो फ़िल्टरिंग : एआई से लैस कैमरों में अपने आप सीखने की क्षमता है। जब किसी विशेष सेटिंग में एक फोटो लिया जाता है, तो यह दृश्य में सभी अवांछित वस्तुओं को हटा सकता है। यह धीरे-धीरे होता है जब AI दृश्य में इन वस्तुओं से परिचित हो जाता है। सीखने की यह क्षमता फोन में मौजूद शक्तिशाली जीपीयू द्वारा आई है।

2. इमेज प्रोसेसिंग : एक और क्षेत्र जहाँ एआई कैमरा रोल है वह है कम रोशनी की फोटोग्राफी है। कम रोशनी या अंधेरे में ली गई तस्वीरों में AI एल्गोरिदम की मदद से री-टच किया जाता है जो आईएसओ और एक्सपोजर जैसे कैमरे के तत्वों पर काम करता है। शुरू में यह आमतौर पर प्रमुख, शीर्ष-अंत स्मार्टफ़ोन में मौजूद होता है।

3. कम्प्यूटेशनल फोटोग्राफी : कंप्यूटर आधारित डिजिटल एल्गोरिदम का उपयोग करने वाली डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग तकनीक को कम्प्यूटेशनल फोटोग्राफी कहते हैं। इस तकनीक में कंप्यूटर विजन इस प्रक्रिया को पूरा करता है और अनिवार्य रूप से आज के अधिकांश कैमरे इस तकनीक पर आधारित हैं।

4. डेप्थ कण्ट्रोल इफ़ेक्ट : आज फोन में पाए जाने वाली सबसे आश्चर्यजनक सुविधाओं में से एक डेप्थ कण्ट्रोल ऑप्शन है (जिसे बोके भी कहा जाता है)। इसका मतलब है कि तस्वीर में 'गहराई' की भावना प्रदान करने के लिए बैकग्राउंड को धुंधला कर दिया गया है। 2016 में, ऐप्पल ने आईफोन में 'पोर्ट्रेट मोड' की शुरूआत की थी। इसके बाद अन्य स्मार्टफोन कंपनियों ने उनके कैमरों में डेप्थ इफ़ेक्ट इंट्रोडूस किया। इस प्रभाव को प्रदान करने के लिए एमएल एल्गोरिदम का उपयोग होता है।

5. उम्दा कैमरा प्रदर्शन : एआई के साथ, तस्वीरों की गुणवत्ता समझौता किए बिना तेज़ी से तस्वीरें ली जा सकती हैं। हाई एन्ड फ़ोन में एमएल एल्गोरिदम ऑप्टिमाइज़ेशन के माध्यम से फ़ोटो पर क्लिक करने में बिना रूकावट ऑपरेशन के लिए मार्ग प्रशस्त करते हैं और फ़ोन का ओवरआल प्रदर्शन प्रभावित नहीं होता।

क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 855 स्मार्टफोन कैमरे को अगले स्तर पर कैसे ले जाएगा

- फ़ोन प्रोसेसर बनाने वाले अग्रणीय ब्रांड क्वालकॉम ने 2019 के लिए अपने फ्लैगशिप मोबाइल प्रोसेसर स्नैपड्रैगन 855 की घोषणा की है। यह नया चिपसेट 5G नेटवर्क सपोर्ट करने के अलावा फ़ोन फोटोग्राफी को नए आयाम देगा। क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 855 का इमेज सिग्नल प्रोसेसर कम्प्यूटेशनल फोटोग्राफी को संभालने में सक्षम है, जिसका इस्तेमाल गूगल पिक्सेल कैमरा में कम्प्यूटेशनल फोटोग्राफी के द्वारा बेहतर तस्वीरें लेने और सॉफ्टवेयर द्वारा एडवांस कैमरा फीचर प्रदान करने में किया जाता है। इस प्रोसेसर के बिना इस आउट पुट के लिए एक स्पेशल हार्डवेयर की अलग से ज़रूरत पड़ती है। फ़ास्ट प्रोसेसिंग के अलावा, क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 845 की तुलना में यह प्रोसेसर चार गुना तक ऊर्जा बचत भी करता है।

प्रथम तिमाही फोटो प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ और सराहनीय

सर्वश्रेष्ठ

32GB पेन ड्राइव

संजय दास
धनबाद (झारखण्ड)

सराहनीय

16GB पेन ड्राइव

पारितोष पाल
लखनऊ (उत्तर प्रदेश)

सांत्वना (प्रथम)

प्रणव दास
दार्जिलिंग
(पं. बंगाल)

सांत्वना (द्वितीय)

नितीश गुप्ता
फैजाबाद (उत्तर प्रदेश)

सांत्वना (तृतीय)

संजय दास
धनबाद (झारखण्ड)

STUDIO NEWS
लखनऊ, बुधवार, 6 फरवरी 2019 से 5 मार्च 2019

कैमरे का शटर खोलने से पहले ठीक से सोचना और देखना चाहिए क्योंकि वास्तव में दिल और दिमाग कैमरे का असली लेंस होता हैं। - यूसुफ कार्श

अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय खबरें

वीनस ऑप्टिक्स का 9 एमएम एफ 2.8 लेंस डीएल माउंट के साथ डीजेआइ कैमरों के लिए

वीनस ऑप्टिक्स के पास है लाओवा 9 एमएम एफ 2.8 डीएल जीरो-डी, यानी डीजेआइ एक्स 7 कैमरों व इंस्पायर 2 ड्रोन के लिए सबसे चौड़े लेंस।

ये लेंस देते हैं 113 डिग्री व्यू फील्ड। इस समय सबसे चौड़े डीएल लेंस वीनस ऑप्टिक्स के पास हैं, डीजेआइ 16 एमएम एफ/2.8 एएसपीएच एनडी, के पास 80 डिग्री का डायग्नल व्यू की फील्ड है, यानी कि एक्स 7 और इंस्पायर 2 के यूजर्स के लिए पहले के फ्रेम्स की अपेक्षा इसमें अधिक संभावनाएं हैं।

मार्च में आएगा पैनासॉनिक एस1/एस1आर, एचएलजी फोटो व हाई रिज्यॉल्यूशन मोड फीचर लिस्ट में जोड़े गए

पैनासॉनिक ने घोषणा की है कि इसका ल्यूमिक्स डीसी-एस1 व डीसी-एस1आर फुल फ्रेम मिररलेस कैमरे मार्च के अंत तक आएंगे। कंपनी ने ऐसे दो फीचर्स भी बताए हैं जो दोनों कैमरों में मिलेंगे। कंपनी ने इसका खुलासा पहले नहीं किया था।

पहला है एचएचजी फोटो मोड, इसमें हाइब्रिड लॉग गामा प्रोफाइल का प्रयोग कर के फोटो हाई डायनामिक रेंज में कैप्चर होंगी। फोटो एचएसपी फाइल पर सेव होंगी।

निकॉन लाया 14-30 एमएम एफ4 अल्ट्रा वाइड जूम जेड माउंट के लिए

निकॉन लाया है निक्कॉर जेड 14-30 एमएम एफ4 एस लेंस, यह फुल फ्रेम मिररलेस सिस्टम के लिए पहला अल्ट्रा वाइड जूम है। इस वजन मात्र 485 ग्राम है और यह स्क्रू को सपोर्ट करता है (82 एमएम) फिल्टर, इस प्रकार के लेंस में यह फीचर मुश्किल से ही मिलता है।

14-30 में कुल 14 तत्व हैं, इसमें चार एस्फेरिकल और चार ईडी हैं। निकॉन के नैनो क्रिस्टल कोट से फ्लैर नहीं होता और साथ ही फ्लराइन कोटिंग से पानी की बूंदे व फिंगरप्रिंट हटाने के काम किया जाता है।

डीजेआइ ने अपने बिल्ट इन अल्ट्रा ब्राइट 5.5" फुल एचडी डिस्प्ले स्मार्ट कंट्रोलर का खुलासा किया

डीजेआइ ने अपने स्मार्ट कंट्रोलर का खुलासा किया है, यह एक नया ड्रोन कंट्रोलर है जिसमें बिल्ट इन अल्ट्रा ब्राइट 1000सीडी/एम25.5 इंच फुल एचडी स्क्रीन है। इस डिस्प्ले में स्मार्टफोन एलसीडी से लगभग दुगनी ब्राइटलाइट है, इससे डीजेआइ ड्रोन में पायलटिंग करने में मोबाइल डिवाइस का प्रयोग नहीं करना होगा।

कंपनी के अनुसार, स्मार्ट कंट्रोलर का बड़ा डिस्प्ले इस तरह बनाया गया है कि सीधे सूर्य की रोशनी में भी काम में आ सकता है। डीजेआइ का ऑक्यूसिंक 2 वीडियो ट्रांसमिशन सिस्टम, मैविक 2 जूम और मैविक 2 प्रो वाले ड्रोन को कंट्रोलर सपोर्ट करता है।

वैकम ने की सिंटिक 16एचडी की घोषणा, यह फुल एचडी ग्राफिक टैबलेटहै जो 16.7 मिलिन रंग दर्शाती है

वैकम ने अपने सिंटिक 16 ग्राफिक टैबलेट का एलान किया है- सिंटिक 16एचडी। अपने नए नाम जैसे ही इस टैबलेट में है पहले से बेहतर रिज्यॉल्यूशन, सेंसिटिविटी व और भी कई गुण।

नीमिओ ई लिक कीबोर्ड फोटोशॉप, लाइटरूम व अन्य एप के अनुसार बदला जा सकता है

नीमिओ कीबोर्ड यूजर को विभिन्न एप के लिए कस्टम कीबोर्ड लेआउट बनाने की स्वतंत्रता देता है जो कि उनके बीच में स्वचलित हो सके।

कोडैक ब्रांडेड स्माइल लाइनप में है दो त्वरित कैमरे और एक नया इंस्टैंट प्रिंटर

कोडैक के ब्रांडेड वस्तुओं में शामिल है एक इंस्टैंट कैमरा व दो इंस्टैंट प्रिंटर। इन्हें

कहा जाता है कोडैक स्माइल इंस्टैंट प्रिंटर। यह आपको देते हैं स्माइल क्लासिक इंस्टैंट प्रिंट डिजिटल कैमरा, स्माइल इंस्टैंट प्रिंट डिजिटल कैमरा व स्माइल इंस्टैंट डिजिटल प्रिंटर।

मोजा मिनी-एस 3 एक्सिस गिंबल स्मार्टफोन स्टैबलाइजर में है एडवासं शूटिंग मोड

मोजा में है मिनी एस, 55 एमएम से 88 एमएम चौड़े स्मार्टफोन के लिए 3 एक्सिस गिंबल स्टैबलाइजर। यह स्टैबलाइजर 17.2 इंच/43.6 सेमी तक बढ़ सकता है व प्रयोग न होने के केस में 5.2×2.68×7.8 इंच/13×6.8×19.5 सेमी तक फोल्ड हो सकता है।

सिग्मा 28 एमएम एफ 1.4 आर्ट लेंस अब कैनन, निकॉन, सिग्मा व सोनी माउंट के प्री-ऑर्डर पर उपलब्ध हैं

सिग्मा के 28 एमएम एफ 1.4 अर्ध-चौड़े-एंगल आर्ट लेंस जो कि सबसे पहले पिछले साल फोटोकिना में प्रदर्शित किए गए थे, अब प्री-ऑर्डर पर उपलब्ध हैं।

सोनी ने एलान किया अपना ए6400 मिडरेंज एपीएस-सी मिररलेस कैमरा एडवांस एएफ के साथ

सोनी ने अपने ए6400 की घोषणा की है। यह 24.2 एमपी मिररलेस कैमरा है फ्लिप अप रियर टचस्क्रीन के साथ।

फूजीफिल्म ने जीएफएक्स सिस्टम के लिए 100-200 एमएम एफ 5.6 लेंस की घोषणा की

फूजीफिल्म ने अपने नए जीएफ 100-200 एमएम एफ 5.6 आरएलएम ओआइएस डब्लू आर टेली जूम लेंस का एलान किया। यह लेंस जीएफएक्स कैमरा में माउंट करने के बाद 79-158 एमएम के बराबर है। इसमें है इमेज का ठहराव व और भी कई गुण।

निकॉन ने एलान किए अपने कूलपिक्स बी600, ए1000 कंपैक्ट कैमरे

निकॉन ने अपने दो नए कंपैक्ट कैमरे की उपलब्धता के बारे में चुपचाप एलान किया है। कूलपिक्स बी600 व कूलपिक्स ए100। बी600 निकॉन के वर्तमान कूलपिक्स बी500 व बी700 के बीच की कमी को दूर करता है।

ईआइजेडओ ने हाई-एंड मॉनिटर के लिए निकाला कलर नैविगेशन 7 सॉफ्टवेयर

हाई-एंड डिस्प्ले कंपनी ईआइजेडओ ने कलर नैविगेशन 7 निकाला है। इसमें है तमाम फीचर जो कि बने है ग्राफिक प्रोफेशनल के लिए। जिन्में आवश्यकता होती है सटीक इमेज क्वालिटी प्रिंट के लिए, वीडियो व अन्य विजुअल प्रोजेक्ट के लिए।

ओलंपस के घोषणा की अपने एफएल-700 डब्लूआर फ्लैश की

स्पोर्ट के लिए ओएम-डी ई-एम1 एक्स कैमरा की घोषणा के अलावा ओलंपस ने अपने नए वायरलेस फ्लैश यूनिट का एलान किया है। एफ-एल-700डब्लू आर में है डस्टप्रूफ क्वालिटी, स्पैल्शप्रूफ फ्रीजप्रूफ क्वालिटी (न्यूनतम तापमान 14°F/-10°C)।

ओलंपस लेकर आया है स्पोर्ट के लिए ओएम-डी ई-एम1एक्स

ओलंपस ने सभी के सामने अपने स्पोर्ट के लिए ओएम-डी ई-एम1एक्स का खुलासा किया है। इस कैमरे में है 20एमपी चार तिहाई सेंसर, 7 स्टॉप इमेज स्टैबलाइजेशन, 121 प्वाइंट हाइब्रिड एएफ सिस्टम, 18 एफपीएस तक बर्स्ट शूटिंग लगातार एएफ के साथ। और भी बहुत कुछ।

हॉटशो फ्लैश चलाने के लिए के लिए गोडौक्स एस-आर1 एडैप्टर आपको गोल मैगनेटिक मॉडिफायर व फिल्टर लगाने की सहूलियत देता है

चाइनीज फ्लैश निर्माता गोडौक्स ने

नया अडैप्टर लॉन्च किया है। यह उपयोगकर्ताओं को सहूलियत देता है कि कंपनी का गोल चुंबकीय एसेसरी जोड़कर स्पीडलाइट स्टाइल फ्लैश यूनिक को नियमित करे।

केन्को ने लॉन्च किया नया प्रीमियम टेलीप्लस एचडी प्रो कन्वर्टर

ऑप्टिक्स व एसेसरीज की निर्माता केन्को ने एलान किया है अपने नए टेलीकन्वर्टर का। ये नए मॉडल केन्को टेलीप्लस एचडी प्रो सीरीज का हिस्सा हैं, व 1.4× व 2× कन्वर्टर डिजाइन हैं निकॉन एफ व कैनन ईएफ फुल फ्रेम कैमरा व लेंस के लिए।

केन्को के मुताबिक, कन्वर्टर का ऑप्टिकल कंस्ट्रक्शन दोबारा डिजाइन किया गया है, व अब इनमें है अंदरूनी प्रभाव को कम करने की बेहतर कोटिंग।

रिकोह ने पेंटेक्स 35एमएम एफ2 व 11-18एमएम एफ2.8 के माउंट लेंस का एलान किया।

रिकोह ने पेंटेक्स के माउंट लेंस की घोषणा की: एचडी पेंटेक्स-एफए 35एमएम एफ2 व एचडी पेंटेक्स-डीए 11-18 एमएम एफ2.8 ईडी डीसी एडब्लू। दोनों फरवरी में उपलब्ध होंगे।

पैनासॉनिक ने लॉन्च किया 50 एमएम एफ 1.4, 70-200 एफ4 ओआइएस व 24-105 एमएम एम4 मैक्रो आइओएस फुल फ्रेम लेंस

पैनासॉनिक ने लॉन्च किया है ल्युमिक्स एस लेंस का ट्रायो। नया एस1 व एस1आर फुल फ्रेम कैमरा। नया 50एमएम 1.4, 70-200 एफ4 ओआइएस व 24-105एमएम एफ4 मैक्रो ओआइएस अप्रैल से उपलब्ध रहेगा।

Unique Albums
Lucknow

Photobook Albums

Flat Binding PhotoBook

Karizma Albums

Pendrive box,
Table Calender,
Mini Book (20sheet),
Hard box with Photo

ALL UNDER ONE ROOF

Wide Range of Covers

Manufacturer of Led Frame,Normal & Special Frame's

Indigo Album,Flat Album, Photo Paper Album

30 Inches Enlargement Machine

On Line Album
&
Easy Uploading Software

Customized Covers,Box & Combo

Starter Led Frame

Cut Out Frame

Glossy Lamination with Farme

Starter Led Frame

Double Frame

Starter Led Frame

Glass Mount Frame

hp Indigo

यूनीक कलर लैब के साथ जुड कर कमाएं पैसा पहली बार कम्पनी दे रही हैं ऐसा मौका

यूनीक कलर लैब प्लान कर रही हैं हर जिले में डीलर बनाने का ।

(जिले का लाभ डीलर को)

Head Office :- 92/212 Maharaja Hotel Building Behind Mohan Hotel charbagh Lucknow

Mob. 9956409190 , 8009900917 , 8009900922 Ph- 0522-4022694

email. tilakphotos@gmail.com,uniquecolourlab@gmail.com

RNI No. : UPHIN/2017/74695, **स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक** - सुरेंदर सिंह बिष्ट, शॉप नं. 3, शान्ति मार्केट, लक्ष्मणपुरी गेट, फैजाबाद रोड, इन्दिरा नगर, लखनऊ - 226016 द्वारा ज्ञान प्रिंटर्स, 207, 208 लेखराज मार्केट-2, इन्दिरा नगर, लखनऊ-226016 से प्रकाशित।

सम्पादक - सुरेंदर सिंह बिष्ट, फोन - 0522-4108575, ई-मेलः infostudionewsup@gmail.com, वेबसाइट : www.studionews.co.in